सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 267 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 5 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





हजारों संबंध रखना कोई चमत्कार नहीं है। चमत्कार ये है कि आप एक ऐसा संबंध रखें जो तब भी आपके साथ खड़ा रहे जब हजारों आपके खिलाफ हों।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

भारत ने जीत के साथ की वनडे सीरीज... 7 | रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन... 3 | वाराणसी में बीजेपी को मिली... 2

ट्रंप की ट्रं-ट्रं बंद, खरगे का रैप चालू! मोदी सरकार से हिसाब मांगती जेन–जी

ट्रंप की हार के बाद भारत में जाएगा तो मोदी का बाप भी बयान वायरल

» तमाम छोटे-बड़े नेता इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया एकाउंट से कर रहे हैं शेयर
» अलका लांबा समेत तमाम नेताओं ने पीएम मोदी से
» हिसाब मांगता वीडियो शेयर किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका में ट्रंप की पार्टी को झटका लगा तो भारत में कांग्रेस ने नया डिजिटल मोर्चा खोल दिया। खरगे का 'मोदी का बाप भी जाएगा' वाला बयान को आधार बनाते हुए एक रैप बीट पर गाना तेजी से वायरल हो रहा है। कांग्रेस की पूर्व विधायक अलका लांबा समेत तमाम नेताओं ने इसे साझा किया है। '50 दिन मांगे थे, आज हिसाब कौन लगाएगा' के बोलों से सजे इस रैप में खड़गे के बयान की जबर्दस्त जुगलबंदी की गयी है।

अमेरिका में ट्रंप की पार्टी को चुनावी झटका क्या लगा भारत में कांग्रेस के सोशल मीडिया की बांछें खिल गईं। व्हाइट हाउस की सियासत में भूचाल आया तो भारतीय राजनीति में रैप की बीट तेज हो गई। डेमोक्रेट्स ने अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत हासिल किया और इधर कांग्रेस के नेताओं ने ट्रंप की हार को मोदी सरकार पर हमला बोलने के नए मौके के रूप में लपक लिया। संदेश साफ है दुनिया का सबसे ताकतवर नेता भी जनता की नाराजगी से नहीं बच सकता। फिर भारत में सत्ता को सवालों से छूट कैसे मिल सकती है।

मोदी-ट्रंप की दोस्ती का क्या होगा?

तस्वीरें नहीं नतीजे बोलेंगे

मोदी और ट्रंप की नजदीकी को दोनों देशों में खूब राजनीतिक महत्व दिया गया। साझा मंच गर्मजोशी भरी मुलाकातें और दोस्ती की तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय राजनीति के साथ घरेलू प्रचार का भी हिस्सा बनीं। लेकिन ट्रंप की पार्टी की हार ने एक बात याद दिलाई है कि किसी दूसरे देश के नेता की लोकप्रियता या राजनीतिक ताकत स्थायी नहीं होती। आज जो नेता संसद में मजबूत है कल उसे जनता के फैसले का सामना करना पड़ सकता है। राहुल गांधी पहले ही दावा कर चुके हैं कि एक वर्ष के भीतर मोदी सरकार गिर सकती है। भाजपा ने उस समय इसे राजनीतिक बयानबाजी बताकर खारिज किया था। लेकिन अमेरिकी चुनाव के बाद कांग्रेस राहुल गांधी के इस बयान को नए संदर्भ में रख रही है। विपक्ष इसी बदले हुए राजनीतिक समीकरण को अपनी ताकत के रूप में पेश कर रहा है। राहुल गांधी की भविष्यवाणी सच होगी या नहीं यह भविष्य तय करेगा। लेकिन विपक्ष का प्रयास साफ है कि सरकार की मजबूती के दावों के बीच असंतोष और राजनीतिक कमजोरियों को मुद्दा बनाया जाए।

» छोटे कारोबारियों और आम परिवारों को जो परेशानियां झेलनी पड़ीं उनका हिसाब कौन देगा?

» स्टार्टअप का सपना दिखाया गया लेकिन छोटे उद्यमी के लिए पूंजी और बाजार कहां है?

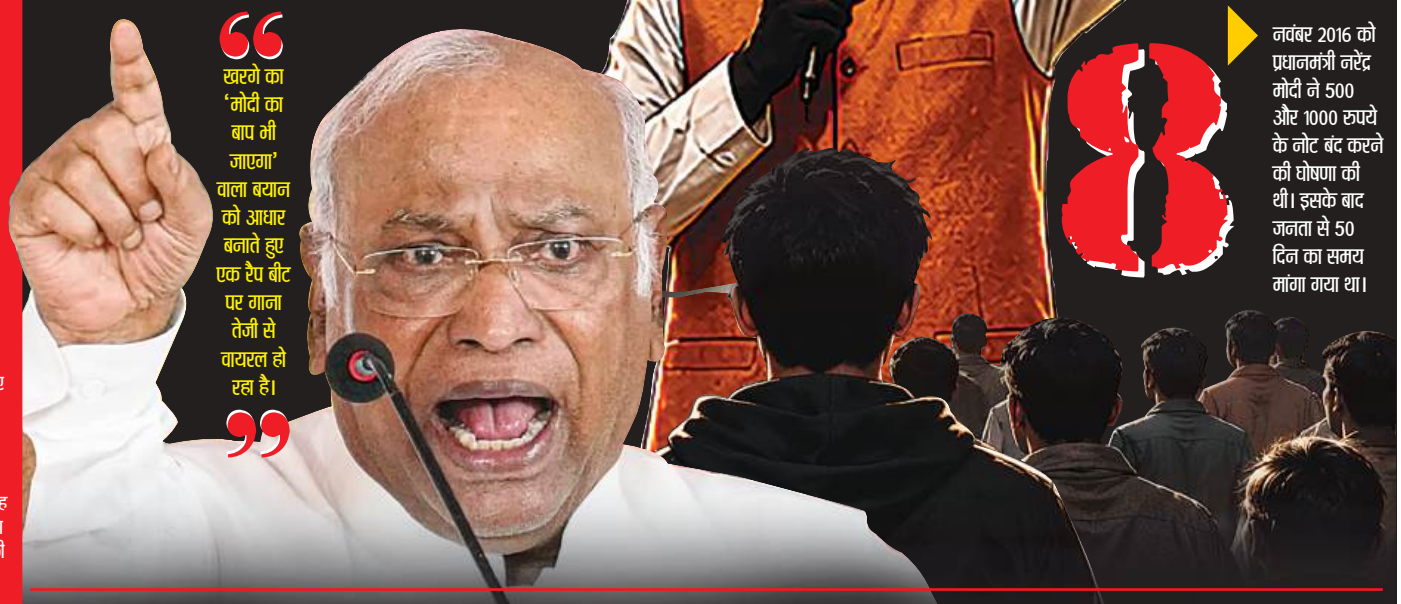
खरगे की ललकार पर रैप का वार अलका लांबा ने बढ़ाया वॉल्यूम

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से तैर रहा है। वीडियो का निर्माता कौन है, इसका कोई स्पष्ट दावा नहीं है। लेकिन इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान 'मोदी का बाप भी जाएगा' और इसके साथ रैप की बीट पर गूंज रहे हैं बोल–'50 दिन मांगे थे, आज हिसाब कौन लगाएगा।' पूर्व विधायक अलका लांबा ने भी इसे साझा किया है। कांग्रेस के कई बड़े नेताओं और समर्थकों के बीच वीडियो को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है सवाल यह है कि क्या कांग्रेस ने इस वायरल वीडियो में अपने लिए नया डिजिटल हथियार देख लिया है।



10 साल बाद विपक्ष उसी 50 दिन को राजनीतिक सवाल बनाकर लौटा रहा है।

"व्हाइट हाउस की सियासत में भूचाल आया तो भारतीय राजनीति में रैप की बीट तेज हो गई।"



"खरगे का 'मोदी का बाप भी जाएगा' वाला बयान को आधार बनाते हुए एक रैप बीट पर गाना तेजी से वायरल हो रहा है।"

8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 रुपये के नोट बंद करने की घोषणा की थी। इसके बाद जनता से 50 दिन का समय मांगा गया था।

50 दिन मांगे थे, दस साल बीत गए हिसाब की फाइल कहां है?

रैप की सबसे चुभती हुई लाइन है–'50 दिन मांगे थे, आज हिसाब कौन लगाएगा।' है यह सीधा हमला 2016 की नोटबंदी की याद पर है। आठ नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 रुपये के नोट बंद करने की घोषणा की थी। इसके बाद जनता से 50 दिन का समय मांगा गया था। काले धन, नकली नोटों और आतंकवाद की फंडिंग पर चोट जैसे उद्देश्य सामने रखे गए थे। अब करीब दस साल बाद विपक्ष उसी 50 दिन को राजनीतिक सवाल बनाकर लौटा रहा है। नोटबंदी से क्या हासिल हुआ? कितनी नकदी वापस आई? काले धन के खिलाफ अभियान का परिणाम क्या रहा? छोटे कारोबारियों और आम परिवारों को जो परेशानियां झेलनी पड़ीं, उनका हिसाब कौन देगा? सरकार ने नोटबंदी को अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने और डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने वाला कदम बताया तो विपक्ष ने इसे आर्थिक अव्यवस्था और आम आदमी की मुश्किलों से जोड़ कर देखा। बहस आज भी खत्म नहीं हुई है और अब वही बहस रैप बनकर लौट रही है और राजनीति का पुराना सवाल नई पीढ़ी की भाषा में पूछा जा रहा है।

जेन-जी का सवाल–रील तो बना ली रोजगार का क्या हुआ?

यही इस पूरी कहानी का सबसे बड़ा पहलू है। आज का युवा नेताओं के भाषणों का मुरीद होने से ज्यादा अपने भविष्य को लेकर परेशान है। उसे चुनावी जुमलों की शब्दावली नहीं अपनी जिंदगी का समाधान चाहिए। डिग्री हाथ में है लेकिन नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में साल निकल रहे हैं कहीं पेपर लीक तो कहीं भर्ती प्रक्रिया में देरी। महंगाई के बीच परिवार चलाना मुश्किल है। निजी क्षेत्र में नौकरी की असुरक्षा अलग है और सरकारी नौकरी की कतार अलग। युवा पूछ रहा है कि कौशल विकास की बात बहुत हुई कौशल के मुताबिक रोजगार कहां है? स्टार्टअप का सपना दिखाया गया लेकिन छोटे उद्यमी के लिए पूंजी और बाजार कहां है? डिजिटल इंडिया का नारा बुलंद है, लेकिन डिजिटल अर्थव्यवस्था में युवा की आमदनी कितनी बढ़ी?

वाराणसी में बीजेपी को मिली मणिकर्णिका घाट तोड़ने की सजा : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने प्रदेश सरकार के कामों को जिम्मेदार बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वाराणसी की दोनों एमएलसी सीट पर जीत को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि काशी विश्वनाथ ने बीजेपी को हराकर मणिकर्णिका के पौराणिक घाट को तोड़ने की सजा दी है। उन्होंने कहा जब काशी वाले विदाई करते हैं तो परमानेंट ही विदा कर देते हैं।

सपा अध्यक्ष ने वाराणसी दौरे का जिक्र करते हुए पोस्ट की और काशीवासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने जो स्नेह दिया है उसके लिए वो बहुत आभारी है। अखिलेश ने बीजेपी पर तंज कसते हुए काशी के आशुतोष बाबा विश्वनाथ जी ने हमारे आशुतोष सिन्हा जी और लाल बिहारी यादव जी को ऐतिहासिक वोटों से जिताकर हमें दोहरा आशीर्वाद दिया है। काशी ने डबल इंजन को डबल जीरो कर दिया है।अखिलेश यादव ने वाराणसी में बीजेपी की हार के लिए प्रदेश सरकार के कामों को जिम्मेदार बताया और कहा कि दरअसल काशी में सपा की जो दोहरी जीत हुई है उसके लिए कई कारण कारण निर्णायक रहे हैं। उन्होंने मणिकर्णिका घाट को तोड़ने से लेकर दालमंडी में बुलडोजर का कार्रवाई, अहिल्याबाई जी प्रतिमा का तिरस्कार समेत तमाम वजहों को बीजेपी की हार का कारण बताया।



वाराणसी में बीजेपी की हार के कारण गिनाए

काशी में बीजेपी को मिली हार का कारण बताते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी को इन कारणों की वजह से हार मिली है, - मणिकर्णिका के पौराणिक घाट को तोड़ने के पाप की सजा मिली है। राजमाता पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई जी की प्रतिमा के तिरस्कार करने का सबक इन पापियों को मिला है। पूज्य शंकराचार्य जी पर हुए प्रहार का प्रतिकार-प्रतिफल है। पाल समाज पर जो लाठी चलाई गई थी ये उसका भी जवाब है। दाल मंडी पर हुए अत्याचार ने भाजपा को ध्वस्त कर दिया या कहें दाल मंडी ने भाजपा को दल दिया है। जो कहते थे माँ गंगा ने उन्हें बुलाया है, उन्होंने माँ गंगा को भुलाया है। गंगा माँ के साथ भी धोखा हुआ है। नमामि गंगे का अरबों का बजट न जाने कहाँ बह गया। बनारस के बुनकरों का हाल पूछने कोई नहीं आया। बनारस की हस्तकला चौपट कर दी है। बनारस के नाव चलानेवाले तक दुखी हैं। उनकी रोजी-रोटी भाजपाइयों को रास नहीं आई। भाजपा की कमीशनखोरी ने छोटे-काम व्यवसाय को मार दिया है।

काशी से होगी बीजेपी की परमानेंट विदाई

सपा अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी ने बनारस का हित नहीं बल्कि अहित किया है। यूपी वाले विदाई अच्छी करते हैं लेकिन, जब काशी वाले विदाई करते हैं तो पर्मानेंट विदाई कर देते हैं। इस बार 'काशी भाजपा की उदासी' का कारण बनेगी। 2027 में विश्वप्रसिद्ध बनारस की लौंगलता हमारा मुंह मीठा करेगी। हम आएंगे तो वाराणसी को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने के लिए मेट्रो का निर्माण करेंगे। हम अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके दिखाएंगे कि 'विरासत का संरक्षण और विकास से संवर्धन' साथ-साथ कैसे किया जा सकता है। काशी का गौरव फिर से वापस लाना हमारा संकल्प है, जिसे हम निभाएंगे, भाजपा जायेगी, काशी मुस्कुराएगी!

भाजपा को घेरने की बनाई रणनीति

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा और विधान परिषद चुनाव में हार के बाद भाजपा की जमीन खिसक चुकी है। अखिलेश ने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची पर नजर रखने और एक-एक वोट बचाने की अपील की। साथ ही उन्होंने 2027 के चुनाव को लोकतंत्र बचाने की लड़ाई बताया। इसके अलावा अखिलेश ने सपा सरकार बनने पर गरीबों को सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह मुफ्त इलाज देने का वादा भी किया। देखिए, अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को और क्या संदेश दिया।

दूसरी दिवाली पर भी महिलाओं को 2500 रुपये का इंतजार : देवेंद्र यादव

» कांग्रेस ने रेखा सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के करीब दो साल बाद भी गरीब महिलाओं को लक्ष्मी योजना के तहत 2500 रुपये मासिक मिलने का इंतजार है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं से किया वादा पूरा नहीं किया। महिलाओं को दूसरी दिवाली भी आर्थिक सहायता के बिना मनानी पड़ रही है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा नेताओं ने चुनाव के दौरान महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया था। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर 27 अगस्त को तालकटोरा स्टेडियम में 2500 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से अनुमोदन पत्र दिए थे। साथ ही 4190 पात्र लाभार्थियों की मंजूरी और एक सितंबर से खातों में पहली किस्त भेजने की बात कही गई थी, लेकिन दिवाली तक राशि नहीं पहुंची। उन्होंने बताया कि योजना के लिए एक अगस्त को आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के बाद 9.2 लाख से अधिक महिलाओं ने पंजीकरण कराया था। इसके बावजूद सहायता नहीं मिलने से सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। योजना के तहत 21 से 60 वर्ष की स्थायी दिल्ली निवासी महिलाएं पात्र हैं। परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। सरकारी कर्मचारियों, आयकरदाताओं और पेंशनभोगियों को इससे बाहर रखा गया है। यादव ने आरोप लगाया कि सरकार ने योजना का लाभ केवल 17 लाख महिलाओं तक सीमित रखने का फैसला किया है, जबकि दिल्ली में एक करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। उन्होंने प्रस्तावित व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। इसके तहत 2500 रुपये में से 1500 रुपये तीन साल के लिए आरडी या एफडी में रखे जाने हैं और केवल 1000 रुपये डिजिटल वॉलेट में दिए जाने हैं।



छह दिसंबर को लखनऊ में ताकत दिखाएंगी मायावती

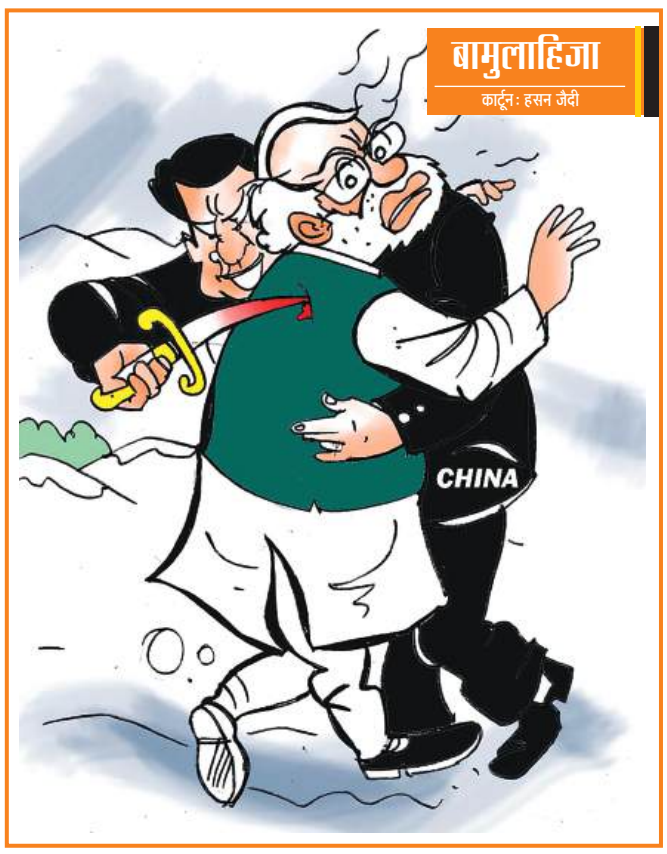
» 2027 चुनाव को लेकर बसपा की समीक्षा बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को लखनऊ में पार्टी की यूपी स्टेट यूनिट की बड़ी बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने 6 दिसंबर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ में आयोजित होने वाले विशाल समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पर सहमति दे दी।

इस घोषणा का बैठक में जोरदार तालियों और ओजस्वी नारों के साथ स्वागत किया गया और इसे ऐतिहासिक बनाने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस समारोह में बसपा आगामी चुनाव को लेकर शक्ति प्रदर्शन करेगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में स्टेट, मंडल सहित सभी स्तर के पदाधिकारी और प्रदेश के 75 जिलों के जिला अध्यक्ष शामिल हुए। मायावती ने बूथ स्तर तक की जमीनी तैयारियों, अच्छे उम्मीदवारों के चयन और सर्वसमाज, खासकर गरीब व कमजोर तबकों में वोटों की शक्ति की जागरूकता बढ़ाने संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।





भाजपा ने रुहुल्ला को किया गुमराह : सुरिंदर चौधरी

» जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री बोले- एनसी को तोड़ने में जुटी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भाजपा पर नेशनल कॉन्फ्रेंस को कमजोर करने और पार्टी में फूट डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी को गुमराह किया है। उपमुख्यमंत्री ने भाजपा नेता राम माधव के बयान का हवाला देते हुए कहा कि रुहुल्ला के कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों को राम माधव ने अपनी पार्टी का बताया था।

ऐसे में भाजपा को इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आगा रुहुल्ला एक अच्छे और सम्मानित व्यक्ति हैं, लेकिन भाजपा ने उन्हें गुमराह किया है। चौधरी ने भाजपा से पूछा कि अगर रुहुल्ला उनके साथ थे तो इस पूरे घटनाक्रम को लेकर इतना राजनीतिक ड्रामा क्यों किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा के नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा से भी इस मामले पर जवाब देने को कहा। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, आगा रुहुल्ला और सांसद इंजीनियर राशिद के संभावित नए राजनीतिक गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर चौधरी ने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 68 सड़कों का शिलान्यास भी किया। इन सड़कों की कुल लंबाई 495.48 किलोमीटर है और इनके निर्माण पर 1,164.06 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। परियोजना से खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में सड़क संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है।



लोकतंत्र के नाम पर पदयात्रा निकालकर प्रायश्चित कर रही है भाजपा : स्वामी प्रसाद



» सामाजिक न्याय और जनहित से जुड़े कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । लखनऊ के गोमती नगर के विपुलखंड स्थित कार्यालय में अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य की प्रेस वार्ता आयोजित की गई है। इस दौरान उन्होंने वर्तमान राजनीतिक हालात, सामाजिक न्याय और जनहित से जुड़े कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी और पार्टी की आगामी रणनीतियों की रूपरेखा साझा की।

रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली से सरकार की उड़ी नींद

भाजपा ने साधा राहुल व प्रियंका पर निशाना

» तिलमिलाई बीजेपी बोली- कारोबारियों को करोड़ो नुकसान किया और रैली में एआई से भीड़, फ्लाप रही महा रैली

» कांग्रेस बोली सरकार ने रैली को बदनाम करने की साजिश की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रविवार को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली में जुटी अपार भीड़ से जहां कांग्रेस व विपक्ष के अन्य दल गदगद हैं। वहीं भाजपा ने इस रैली को फ्लाप बताना शुरूकर दिया है। इसके लिए भाजपा ने भीड़ को एआई से बनाया बताया है।

वहीं रैली के कारण दिल्ली के व्यापार के नुकसान के दावे पर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन की महारैली के दौरान दिल्ली के बाजारों में कारोबार सामान्य रहा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को नुकसान होने का भाजपा का दुष्प्रचार पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। पार्टी के अनुसार देश भर से आए लोगों ने राहुल गांधी की अपील पर स्थानीय दुकानों और रेहड़ी-पटरी वालों से जमकर खरीदारी की।



लालू यादव से मिलीं सोनिया गांधी

राष्ट्रीय जनता दल के चीफ लालू यादव से मुलाकात करने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पहुंचीं। दोनों के बीच ये मुलाकात लोकसभा सांसद और लालू यादव की बेटी मीसा भारती के दिल्ली आवास पर हुई। लालू परिवार की तरफ से इस मुलाकात को सामान्य बताते हुए कहा जा रहा है कि सोनिया गांधी लालू का हालचाल जानने पहुंची थी, लेकिन इस मीटिंग के कई सियासी मायने भी हैं। विपक्ष के इंडिया ब्लॉक ने इस समय चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। ऐसे में सोनिया गांधी की लालू से मुलाकात को इंडिया ब्लॉक की एकजुटता के



रूप में भी देखा जा रहा है। सोनिया गांधी और लालू यादव के सियासी संबंध पुराने दौर से ही अच्छे रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के नेतृत्व में चुनाव आयोग के खिलाफ चल रही मुहिम को और बल मिल सकता है। सोनिया गांधी और लालू प्रसाद यादव की मुलाकात पर बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा,लालू जी अपने रूटीन मेडिकल चेक-अप के लिए दिल्ली आए थे। कल मेरी भी सोनिया जी से मुलाकात हुई थी, जिस दौरान हमने उन्हें इस बारे में बताया। उन्होंने खुद लालू जी से मिलने की इच्छा जताई, इसलिए आज वे उनसे मिलने आईं। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि लालू जी और सोनिया जी के बीच शुरू से ही अच्छे संबंध रहे हैं। मुश्किल समय में भी वे एक-दूसरे के साथ खड़े रहे और एक-दूसरे का समर्थन किया। हमारे परिवार और गांधी परिवार के बीच भी लंबे समय से अच्छे संबंध रहे हैं। आज की मुलाकात का मकसद लालू जी और उनके स्वास्थ्य के बारे में हाल-चाल जानना था। वे दोनों काफी समय से नहीं मिले थे, इसलिए आज उनकी मुलाकात हुई।

महारैली में शामिल होने से हतोत्साहित करने की कोशिश नाकाम

'इंडिया' गठबंधन की महारैली को बदनाम करने और लोगों को दिल्ली आने से रोकने के लिए व्यापारियों के नुकसान और बाजार बंद होने का डर फैलाया गया। हर कोई समझ सकता था कि जब देश भर से लोग आएंगे तो वे खरीददारी भी करेंगे। दिल्ली में काम करने वाले हर कारोबारी को परोक्ष या अपरोक्ष रूप से फायदा होगा।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा द्वारा गढ़े गए इस झूठे और तर्कहीन दुष्प्रचार का मकसद साफ था, ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए वोट चोरी और निर्वाचन आयोग की जवाबदेही के असली मुद्दे से देश का ध्यान भटकाना और लोगों को महारैली में शामिल होने से हतोत्साहित करना।लेकिन हुआ इसका बिल्कुल उलट। दिल्ली की जनता और देशभर से आए लोगों ने इस दुष्प्रचार का जवाब अपने तरीके से दिया।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी की अपील पर लोगों ने दिल्ली के बाजारों में खरीदारी की। पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों में दुकानें खुलीं और कारोबार जमकर हुआ।

कारोबारियों को नुकसान होने का 'झांसामंत्री' का दुष्प्रचार ध्वस्त : जयराम

दो नवंबर कांग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'इंडिया' गठबंधन की रैली के कारण कारोबारियों को नुकसान होने का 'झांसामंत्री' का दुष्प्रचार ध्वस्त हो गया है और दिल्ली के बाजारों में कारोबार सामान्य रूप से जारी रहा। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि दिल्ली में सभी बाजारों में दुकानें खुली



रहीं और राजनीतिक गतिविधियों के कारण कारोबार प्रभावित होने की आशंका निर्मूल साबित हुई। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भाजपा का पूरा दुष्प्रचार ध्वस्त हो गया।

भीड़ दिखाने के लिए एआई से फोटो डाली : रिजिजू

भारतीय जनता पार्टी के नेता किरेन रिजिजू ने इस रैली को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कस दिया। कांग्रेस ने रैली की एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। रिजिजू ने दावा किया कि कांग्रेस ने भीड़ दिखाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया है। किरेन रिजिजू ने रविवार (1 नवंबर) को एक्स पर फोटो शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, रामलीला मैदान में भारी भीड़ दिखाने के लिए, कांग्रेस पार्टी को कम से कम एआई से बनी तस्वीर तो ठीक से तैयार करनी चाहिए थी कांग्रेस पार्टी की फर्जी नरेटिव टीम से तो रामलीला मैदान को भरा हुआ दिखाने के लिए एआई से फोटो भी ठीक से नहीं



बनाई गई। भारतीय जनता पार्टी ने रैली को लेकर तंज तो कसा ही, साथ ही यह भी दावा किया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बीच मतभेद हो गए हैं। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि प्रियंका गांधी को रैली में बोलने नहीं दिया गया।

छोटे-छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों को लाभ



इसके अलावा छोटे-छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों से भी लोगों ने जमकर सामान खरीदा। अखबारों की रिपोर्ट खुद इस दुष्प्रचार की पोल खोल रही है।'' रमेश ने कहा, ''दिल्ली के व्यापारियों, दुकानदारों और उन तमाम नागरिकों का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने इस अपील को अपनाया और लोकतांत्रिक विरोध के साथ स्थानीय कारोबार का भी साथ दिया।'' उन्होंने कहा कि भाजपा को समझना चाहिए कि लोकतंत्र की आवाज को न डर से दबाया जा सकता है, न दुष्प्रचार से। उन्होंने कहा, ''झांसामंत्री और भाजपा को समझ लेना चाहिए कि देश की जनता उनकी इन हरकतों को पिछले 12 सालों से देख रही है और अब उनके किसी झांसे में नहीं आने वाली है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा की सरकारों को घेरा

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा'मोना' विधायक ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश में निकाली जाने वाली लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहां कि इससे वही कहावत चरितार्थ हो रही है कि ''चोरी करने वाले को जब लोग दौड़ाते हैं तो वह चोर-चोर चिल्लाता है''। भारतीय जनता पार्टी ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए कु कृ त्य का आयोजन कर रही है। उन्होने कहा कि इण्डिया गठबन्धन की ''वोट बचाओ-देश बचाओ'' महारैली की ऐतिहासिक सफलता से भारतीय जनता पार्टी इतनी घबरा गई है वह अब इस तरह की पदयात्राओं का कार्यक्रम करके



असली मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का काम कर रही है। जिसे प्रदेश की जागरूक जनता बखूबी समझ रही है। भाजपा की यह पदयात्रा सिर्फ जनता को गुमराह करने और अपनी विफलताओं को छिपाने का एक राजनीतिक स्टंट है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उप्र सहित देश के कोने कोने से जिस प्रकार जननायक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी सहित कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को सुनने के लिए लाखों की संख्या में भीड़ जुटी और आम जनता का जनसमर्थन मिला, उससे भारतीय जनता पार्टी की घबराहट स्वाभाविक है क्योंकि इस महारैली ने भाजपा की नींव हिलाकर रख दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की जनता अब इस प्रकार की ध्यान भटकाने वाली राजनीति को समझ चुकी है। असली लोकतंत्र तब बचेगा जब संवैधानिक संस्थाएं बिना किसी राजनीतिक दबाव के स्वतंत्र रूप से काम कर सकेंगी। जिस प्रकार एसआईआर के जरिए पीलीभीत में मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी पकड़ी गई और दो अधिकारी सस्पेंड हुए हैं, उसी प्रकार पूरे प्रदेश में मोदी सरकार के इशारे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की टीम द्वारा गड़बड़ियां किए जाने का पूरा अंदेशा है। उन्होने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मतदाता सूचियों की जांच की जा रही है। इन्हीं मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा पदयात्रा निकाल रही है। श्रीमती आराधना मिश्रा'मोना' ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मोदी और योगी सरकार की जनविरोधी नीतियों और लोकतंत्र को कमजोर करने के हर तरह के किए जा रहे हथकण्डे और कुप्रयास के खिलाफ आम जनता के हितों के लिए सड़क से सदन तक आवाज उठाती रहेगी।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

छुपी प्राकृतिक आपदाओं से बचने के उपाय भी ढूंढे

कुछ हादसे जब होते हैं तो उसकी बर्बादी या मौतें सामने दिखाई देती हैं। पर कु छ आपदाएं ऐसी होती हैं जो दिखाई नहीं देती। पर उनका जब सालभर का आंकड़ा एक जगह एकत्रित किया जाता है तब पता चलता है कि हजारों असमय ही काल के गाल में समा गए हैं। एसी ही एक आपदा है अलनीनो। ये सारे मौसमों को प्रभावित करती है खासतौर से भारत को। सबसे बड़ी विडंबना इतनी बड़ी संख्या मानव क्षति पहंचाने वाले आपदा से बचने का भारत में कोई व्यवस्था नहीं है। क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के जारी किया गए नक्शे आंकड़े काफी डराने वाले हैं। अलनीनो के प्रभाव से उत्पन्न गर्मी से भारत में जहां 55,200 लोगों की मौत होने की आशंका है। इसके बावजूद यह मुद्दा देश के सत्तारुढ़ दलों के चिंता का सबब नहीं है। देश में सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों के लिए मौसम परिवर्तन क्ह्यो दुष्प्रभाव चिंता का विषय नहीं है।

ऐसे परिवर्तनों की चपेट में आने वाले गरीब होते हैं। इनकी आवाज सुनने वाली देश में कोई सरकार नहीं है। सिर्फ इनकी सुनवाई के दावे किए जाते हैं, जबकि पर्यावरण के प्रभावों से बचाने के इंतजामों पर चर्चा तक नहीं होती है। अल नीनो हीट मॉर्टेलिटी ट्रैकर (अल नीनो के कारण गर्मी से होने वाली मौतों का ट्रैकर) नामक इस भयावह नक्शे के मुताबिक नक्शे के अनुसार जून 2026 में शुरू होने वाली इस घटना से मार्च 2027 तक गर्मी के कारण 857,400 अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं, जो वैज्ञानिकों द्वारा एक महीने पहले लगाए गए अनुमान से 350,000 ज्यादा है। इनमें से एक-तिहाई मौतें नाइजीरिया, भारत और ब्राजील में होने का अनुमान है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि जून के बाद से अल नीनो के कारण 484,500 अतिरिक्त मौतें हुई हैं। इसके कुछ असर इस तरह दिखे हैं। इंडोनेशिया में जंगलों में आग लगना, भारत में अहम मानसूनी बारिश का न होना और मध्य अमेरिका में सूखा पड़ना। अल नीनो की वजह से इन नौ महीनों की इस अवधि के अनुमान में लगाई गई आधी से ज्यादा अतिरिक्त मौतें अगले छह महीनों के भीतर होने की आशंका है और भारत पर इसका भयावह रूप देखने को मिल सकता है।

“ क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के जारी किया गए नक्शे आंकड़े काफी डराने वाले हैं। अलनीनो के प्रभाव से उत्पन्न गर्मी से भारत में जहां 55,200 लोगों की मौत होने की आशंका है। इसके बावजूद यह मुद्दा देश के सत्तारुढ़ दलों के चिंता का सबब नहीं है। देश में सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों के लिए मौसम परिवर्तन क्ह्यो दुष्प्रभाव चिंता का विषय नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अमेरिकी मतदाताओं की नाराजगी झेलते ट्रंप

पुष्परंजन

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। मतदान 3 नवंबर को है। ट्रंप मध्यावधि चुनाव हार भी जाते हैं, फिर भी उनकी कुर्सी आसानी से नहीं जाएगी। ट्रंप ने खुद आशंका जताई है कि यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं, तो वे उन पर महाभियोग चलाने की कोशिश कर सकते हैं। यदि डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा या सीनेट में बहुमत पा लेती है, तो ट्रंप के लिए बजट या नीतियां पास कराना बेहद मुश्किल हो जाएगा। हालांकि, उनके पास वीटो की शक्ति होगी, जिसका इस्तेमाल वे किसी भी बिल को रोकने के लिए कर सकते हैं। बहुमत खोने की स्थिति में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप प्रशासन की नीतियों की संसदीय जांच शुरू कर सकती है, जिससे उनकी राजनीतिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

आज भी ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के लगभग 70 प्रतिशत से अधिक मतदाता डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी का खुलकर समर्थन करते हैं। इनका मिजाज बदलता नहीं दिख रहा। लेकिन जो बदल रहे हैं, वे हैं ब्लैक, हिस्पैनिक, यहूदी, मुस्लिम, व्हाइट वर्किंग-क्लास और इवेंजेलिकल मतदाता। 2024 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनने में इनका बड़ा योगदान था। 'स्विचर वोटर्स' का अब ट्रंप प्रशासन से मोहभंग हुआ है। ट्रंप अमूमन 'अमेरिका फर्स्ट' और 'नेशनल इंटरेस्ट' जैसे शब्द इस्तेमाल करते रहे। लेकिन जब परिवार के बजट पर दबाव पड़ता है, तो ये टोटके बकवास लगने लगते हैं। ट्रंप यदि मध्यावधि चुनाव जीत गए, तब तो मानकर चलिए, तेहरान की खैर नहीं होगी। अगले दो वर्षों तक ट्रंप ईरान जैसे कुछ और युद्ध वाले इलाके सृजित कर लेंगे। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी का संसद के दोनों सदनों (प्रतिनिधि सभा और सीनेट) पर नियंत्रण बना रहेगा, जिससे ट्रंप अपने एजेंडे, टैक्स सुधारों और नीतियों को आसानी से आगे बढ़ा सकेंगे। ट्रंप पर महाभियोग चलाने की संभावना काफी कम हो जाएगी। जीत गए तो वादे के अनुसार, 27 करोड़ 15 लाख अमेरिकी वयस्कों को 5,000 डॉलर का चेक देना पड़ेगा। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है।

हालिया सर्वेक्षणों पर यकीन करें तो लगभग 87 प्रतिशत डेमोक्रेटिक मतदाता ट्रंप के कामकाज और उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। करीब 72 प्रतिशत अश्वेत मतदाता ट्रंप के कुल कामकाज को नापसंद करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ट्रंप से निराश है। लगभग 68 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता ट्रंप के कामकाज से और 71 प्रतिशत उनकी आर्थिक नीतियों से



असंतुष्ट हैं। जेन-ज़ी श्रेणी के युवा वर्ग और विभिन्न जातीय अल्पसंख्यकों में ट्रंप के प्रति कड़ी नाराजगी देखी गई है। अमेरिका का मध्यवर्ग पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, भोजन और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को लेकर ट्रंप को कोसना शुरू कर चुका है। एशियाई अमेरिकी और पैसिफिक आइलैंडर (एएपीआई) मतदाता अमेरिकी मतदाताओं के सबसे विविध समूहों में से एक हैं। 'आपी' मतदाताओं का वर्ग सबसे तेजी से बढ़ रहा है। एएपीआई (आपी) समुदाय में लगभग 1.7 करोड़ योग्य मतदाता हैं, जिनमें से 56 प्रतिशत ने 2024 में अपना वोट डाला था। द एसोसिएटेड प्रेस-नॉर्क सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च (एपी-नॉर्क-एएपीआई) के एक नए पोल के अनुसार, 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के करीब आते-आते एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीपवासी रिपब्लिकन पार्टी से और अधिक निराश हो गए हैं। एपी-नॉर्क-एएपीआई द्वारा 8 से 15 सितंबर 2026 के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चलता है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान अर्थव्यवस्था को लेकर उनकी छवि खराब हुई है। इन वयस्कों में से लगभग एक-चौथाई लोग ही राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के कामकाज के तरीके को पसंद करते हैं। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर उनके प्रदर्शन को केवल 10 में से 2 लोग ही सही मानते हैं, जबकि एएपीआई समूह के अधिकांश वयस्क इसे आगामी चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक मानते हैं। आयोवा के कॉर्निंग में रहने वाली 45 वर्षीय कोरियाई अमेरिकी रेबेका लारोको ने 2016 में ट्रंप को वोट दिया था, लेकिन अर्थव्यवस्था को संभालने के उनके तरीके को लेकर आश्वस्त नहीं हैं, खासकर ऐसे समय में जब ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले तीन प्रेसिडेंशियल साइकिल में लगभग 6,20,000 नए मतदाता बने, जिनमें कैलिफोर्निया, हवाई, इलिनोइस, मैसाचुसेट्स, मिनेसोटा, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, नेवादा, ओरेगन, वर्जीनिया, टेक्सास और वाशिंगटन जैसे राज्यों में इनकी ताकत बढ़ी। या यूं कहें कि पांच फीसद नए आपी मतदाता नई ताकत बने। ट्रंप ने शुरू में अपने स्तर पर कुछ प्रमुख पदों पर आपी समूह के व्यक्तियों (जैसे-तुलसी गबार्ड, काश पटेल) को नियुक्त किया था। लेकिन यह बहुत टिकाऊ साबित नहीं हुआ।

तरक्की के सफर में बाकी हैं कई मुकाम



साल 1966 में अस्तित्व में आया हरियाणा आज तरक्की के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। सरकारी स्तर पर मूलभूत नागरिक सुविधाएं मुहैया कराने, कृषि व औद्योगिक क्षेत्र में तेज प्रगति के मामले में प्रांत ने निरंतर कई मिसाल पेश कीं। हालांकि विकास के इस छह दशक के सफर में कई पड़ाव हासिल करने बाकी हैं।

डॉ. शेर सिंह सांगवान

हरियाणा भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में से एक है। राष्ट्रीय राजधानी के आसपास होने की वजह से यह राजनीतिक रूप से भी वाइब्रेंट यानी जीवंत रहा है। इसे 1 नवंबर, 1966 को पुराने पंजाब से अलग किया गया था। उस समय इसका इलाका खेती, उद्योग और सर्विसेज में संयुक्त पंजाब से काफी पीछे था। लेकिन अलग राज्य बनने के बाद, इसके कुछ नेताओं की दूरदर्शी सोच की वजह से इसकी विकास दर पड़ोसी पंजाब सहित ज्यादातर दूसरे राज्यों से आगे निकल गई। कुछ समय की प्रशासनिक उथल-पुथल और राजनीतिक अस्थिरता के बाद, इस पर मुख्यमंत्री बंसीलाल का मजबूती से राज चला, जिनमें हरियाणा को देश का नंबर वन राज्य बनाने की दृढ़ इच्छाशक्ति थी। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, हरियाणा 1970 के दशक की शुरुआत में शतप्रतिशत विद्युतीकरण और रोड कनेक्टिविटी हासिल करने वाला पहला राज्य था।

ग्रामीण इलाकों में बिजली होने से ट्यूबवेल और स्प्रिंकलर सिंचाई सिस्टम लगाना मुमकिन हुआ, खासकर प्रदेश के बारिश पर निर्भर दक्षिणी हिस्से में। इससे राज्य में खेती-बाड़ी की ग्रोथ को बढ़ावा मिला और यह अपने पड़ोसी पंजाब के बराबर आ गया। सत्तर के दशक में पूरे राज्य में पाइप से पीने का पानी उपलब्ध कराया गया, खासकर उन इलाकों में जहां भूजल खराब था। हरियाणवी गाना, 'तोशाम, भिवानी और महू की ढाणी, पीवे पानी नलका का', आज भी उन बुजुर्ग लोगों को रोमांचित करता है, जो इसकी पुरानी समस्या जानते हैं। दक्षिणी हरियाणा में कैनाल लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट भी लागू किया गया, जिससे खेती और पशुपालन का विकास तेज हुआ और बारिश पर निर्भर इलाकों में पर्यावरण और ग्राउंडवाटर क्वालिटी में सुधार हुआ। '80 के दशक से सरकारी सब्सिडी और बैंक क्रेडिट के साथ बागवानी व डेयरी विकास को भी बढ़ावा दिया गया। वर्ष 1981 में गुड़गांव (अब गुरुग्राम) में मारुति प्लांट की स्थापना को राज्य में औद्योगिक विकास का संकेत माना जा सकता है। इसके बाद प्रदेश में इसकी सहायक और दूसरी औद्योगिक यूनिट्स भी बनीं। बाद में, होंडा और हीरो-मोटोकॉर्प जैसी बड़ी टू-व्हीलर कंपनियां भी गुड़गांव में स्थापित हुईं। बाद में यह शहर विश्व स्तर की इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) यूनिट्स का एक बड़ा हब बन गया।

साल 1992 और उससे पहले की अपनी उन्नत औद्योगिक नीति के बाद हरियाणा इंडस्ट्रियल एस्टेट्स स्थापित करने में आगे रहा। अलग-अलग तरह की इंडस्ट्रियल यूनिट्स आईं। फरीदाबाद, सोनीपत और अंबाला में एग्रो-प्रोसेसिंग यूनिट्स भी लगी। सोनीपत और यमुनानगर के फूड पार्कों में एग्रो-प्रोसेसिंग इकाइयां स्थापित हुईं । पानीपत में 2010 में एक ऑयल रिफाइनरी और 1998 में एक नेप्था क्रैकर प्लांट शुरू किया गया।

यह शहर पारंपरिक रूप से हैंडलूम इंडस्ट्री के लिए भी विख्यात है। पहले तीन दशकों में हुए विकास ने 2004-05 में हरियाणा को प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई) के हिसाब से टॉप 10 राज्यों में पहुंचा दिया। साल 2010-11 में इसकी प्रति व्यक्ति आय अपने बड़े भाई पंजाब से आगे निकल गयी। 2024-25 में मौजूदा कीमतों पर हरियाणा की पीसीआई लगभग 3.97 लाख रुपये है, जबकि पंजाब की 2.31 लाख रुपये है। वहीं भारत की प्रति व्यक्ति आमदनी 2.20 लाख रुपये है। हालांकि, राज्य की ग्रोथ स्टोरी में कुछ मुद्दे अभी भी कायम हैं। पहला, हरियाणा के दक्षिणी जिलों में खेती की उत्पादकता पंजाब से सटे जिलों के मुकाबले आधी से भी कम है। इस हिस्से में खरीफ की फसलें ट्यूबवेल से सिंचाई के बाद भी स्थिर नहीं हुई हैं। यहां तिलहन, दालों, खट्टे फल, सब्जियों व अरंडी के बीज आदि के लिए ज़्यादा संभावनाएं हैं, लेकिन गेहूं, धान की तरह एमएसपी पर 100 फीसदी खरीद न होने के चलते इसका बेहतरीन फायदा नहीं मिल पा रहा है। दूसरा मुद्दा है, राज्य में इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ज़्यादातर गुरुग्राम और दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे (एनएच-44) पर बसे जिलों में ही हुआ है। तीसरा, राज्य में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) यूनिट्स गुरुग्राम से आगे नहीं बढ़ी हैं। हिसार के पास एक और आईटी सेंटर बनाया जा सकता है।

दरअसल राज्य के दक्षिणी जिलों में एनएच-152 और दूसरे जिलों में ज्यादा इंडस्ट्रियल एस्टेट्स बनाकर इलाके की गैर-बराबरी को कम करना होगा। एक और मुद्दा यह कि राज्य की राजधानी और हाईकोर्ट राज्य के एक कोने में होने की वजह से दूर के जिलों को सरकार की स्कीमों का फायदा उठाने और न्याय के सस्ते इंतजाम में दिक्कत हो रही है। इसके अलावा, राज्य के अमीर लोगों ने अपने आवास और कारोबार आदि को राजधानी के नजदीक कर लिया है। इससे राज्य में सामाजिक-सांस्कृतिक डेवलपमेंट धीमी हो गयी है। महत्वपूर्ण अधिकारियों और पुलिस का दूर होना कानून-व्यवस्था सुधारने में रुकावट है। अक्सर धमकियों, जबरन वसूली और किडनैपिंग से जुड़ी घटनाएं खबरों में आती रहती हैं। प्रदेश के अंदरूनी इलाकों में उद्यमियों को परेशान करना बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए एक बड़ी चुनौती है।

धनतेरस पर कुबेर जी की करें पूजा

त्योहार का सीजन आ चुका है। 6 नवंबर से दीपोत्सव शुरू हो रही है, जो कि पांच दिन का पर्व है। जिसमें धनतेरस, छोटी दिवाली, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज मनाया जाता है। इस बार धनतेरस का पर्व 6 नवंबर को मनाया जा रहा है। धनतेरस के दिन धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और कुबेर जी की पूजा की जाती है। इस दिन खरीदारी करने का रिवाज है। मान्यता है कि धनतेरस के दिन नई चीजों को खरीदना शुभ होता है। लोग इस अवसर पर सोने, चांदी और बर्तनों से लेकर वाहनों की खरीदारी करते हैं। हालांकि धनतेरस पर कुछ ऐसी भी चीजें हैं, जिनकी खरीदारी इस मौके पर भूल से भी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धनतेरस पर कुछ चीजों को खरीदना अशुभ होता है। धनतेरस में खरीदारी की लिस्ट तैयार करने से पहले इन चीजों का ध्यान रखना जरूरी है।



ये चीजें खरीदें

सोना-चांदी के आभूषण, झाड़ू, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, धनिये के बीज, चांदी के सिक्के।

लक्ष्मी-गणेश खरीदते वक्त रखें ये ध्यान

अधिकतर जगहों पर दिवाली के मौके पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। दिवाली में लक्ष्मी पूजन के लिए दो दिन पहले धनतेरस तिथि को भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्ति घर लाई जाती है। धनतेरस पर खरीदारी का विशेष महत्व है। हालांकि अक्सर लोग अज्ञानता व त्रुटिवश भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्ति खरीदते समय कुछ गलतियां कर देते हैं। वह ऐसी मूर्तियां घर ले आते हैं, जिनकी पूजा करना शुभ नहीं माना जाता है। तो गणेश लक्ष्मी की मूर्ति खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।



आशीर्वाद देते हुए लें माता लक्ष्मी की मूर्ति

इस बात का ध्यान रखें कि मां लक्ष्मी की मूर्ति कमल के फूल पर विराजमान हो। उनके एक हाथ में कमलल हो और दूसरे हाथ से आशीर्वाद दे रही हों। इसके अलावा धन की मटकी भी हो सकती है। माता की प्रतिमा का रंग गुलाबी होगा तो बेहतर रहेगा।

मिट्टी की मूर्तियां लें

मूर्ति मिट्टी की बनी होनी चाहिए। मिट्टी की मूर्ति को शुभ माना जाता है। आजकल बाजार में सीमेंट या पीओपी से बनी मूर्तियां भी बिकती हैं। ऐसी मूर्तियां भूल से भी घर न लाएं।

विश्राम मुद्रा में हो भगवान

भगवान की मूर्ति खरीदते वक्त ये याद रखें कि माता लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्ति बैठी हुई मुद्रा में होनी चाहिए। खड़े मुद्रा में भगवान की मूर्ति घर न लाएं।

जुड़ी न हों मूर्तियां

भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्ति खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि भले ही दिवाली के मौके पर उनकी पूजा एक साथ होती है, लेकिन मां लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्ति एक साथ जुड़ी न हो। बल्कि गणेश जी की मूर्ति खरीदते समय ध्यान रखें कि उनकी सूंड बाईं तरफ हो।

उल्लू पर सवार लक्ष्मी की मूर्ति न लाएं

मूर्ति खरीदते समय ये सुनिश्चित कर लें कि अगर मां लक्ष्मी उल्लू पर सवार हों, तो ऐसी प्रतिमा खरीदकर न लाएं। ध्यान रखें कि लक्ष्मी गणेश की मूर्ति का रंग काला या सफेद न हो।

घर न लाएं नुकीली चीजें

धनतेरस के पावन मौके पर सोने-चांदी की चीजें खरीद सकते हैं लेकिन नुकीली और धारदार चीजें न खरीदें। घर पर चाकू, पिन, सुई जैसी नुकीली और धारदार चीजों को खरीदने से बचना चाहिए। धनतेरस पर नुकीली चीजें घर लाना अशुभ माना जाता है।



लोहे की वस्तुएं न खरीदें

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, लोहे को शनिदेव का कारण माना जाता है। धनतेरस के दिन खरीदारी के लिए निकलें तो लोहे की चीजों को खरीदकर घर न ले आएं। कहते हैं कि धनतेरस के दिन लोहे की चीजें खरीदने से धन कुबेर की कृपा नहीं होती है।

एल्युमिनियम का सामान न खरीदें

धनतेरस के मौके पर एल्युमिनियम से बने सामान की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। इस दिन धातु से बने सामान को घर लाने से बचें। मान्यता है कि धातु दुर्भाग्य का सूचक है।



स्टील से बनी चीजों को खरीदने से बचें

धनतेरस के दिन अधिकतर लोग स्टील के बर्तन घर लेकर आते हैं। लेकिन स्टील एक शुद्ध धातु नहीं है। स्टील पर राहु का प्रभाव ज्यादा रहता है। ऐसे में स्टील से बना सामान न खरीदें।



हंसना मना है

मास्टर जी ने पप्पू से कहा- बेटा, अगर सच्चे दिल से भगवान से प्रार्थना की जाए तो वो जरूर सफल होती है... पप्पू मास्टर जी से- रहने दो सर, अगर ऐसा होता तो आप मेरे मास्टर जी नहीं, ससुर होते...

पुलिस- तुम्हारे सामने चोर उस लड़की का पर्स छीन रहा था और तुमने उसकी कोई मदद नहीं की... लड़का- मैं उस लड़की को जानता हूं, उसने व्हाट्सएप स्टेटस डाला है- मैं अपनी प्रॉब्लम्स खुद सॉल्व कर सकती हूं, अपने काम से काम रखो! पुलिस - फिर ठीक है, उसकी प्रॉब्लम वो जाने...!!!

दो आदमी शराब के नशे में धुत्त होकर रेल की पटरियों के बीचों-बीच जा रहे थे। पहला आदमी- हे भगवान, मैंने इतनी सीढ़ियां पहले कभी नहीं चढ़ीं। दूसरा आदमी- अरे सीढ़ियां तो ठीक हैं, मैं तो इस बात को लेकर हैरान हूं कि हाथ से पकड़ने के लिए रेलिंग कितने नीचे लगी हुई हैं।

कहानी — अपनी भाषा पर गर्व

बात उन दिनों की है जब स्वामी विदेश यात्रा पर गए थे। वहां उनके आदर-सत्कार के लिए कई लोग आए। उनमें से कुछ लोगों ने स्वामी से साथ हाथ मिलाना चाहा और कुछ ने अंग्रेजी में उनसे 'हेलो' कहा। स्वामी विवेकानंद ने जवाब में हाथ जोड़ते हुए सबको नमस्कार कहा। यह देखकर कुछ लोगों ने सोचा कि स्वामी को अंग्रेजी नहीं आती है, इसलिए वो जवाब में नमस्ते कह रहे हैं। ऐसा सोचकर भीड़ में से एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से हिंदी में पूछा कि आप कैसे हैं? हिंदी में सवाल सुनकर स्वामी विवेकानंद मुस्कुराए और उसे इंग्लिश में जवाब दिया, आई एम फाइन, थैंक यूं। स्वामी विवेकानंद का अंग्रेजी में जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। लोगों के मन में हुआ कि जब इनसे अंग्रेजी में सवाल किया गया तब हिंदी में जवाब मिला और फिर हिंदी में बात करने पर इंग्लिश में जवाब मिला। आखिर ऐसा क्यों हुआ। तभी एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से यह सवाल पूछ ही लिया। इसका जवाब देते हुए स्वामी विवेकानंद ने बड़ी ही विनम्रता से कहा कि जब आप लोगों ने अंग्रेजी में बात करके अपनी भाषा को आदर दिया, तब मैंने अपनी भाषा को मां मानकर उनका सम्मान करते हुए हिंदी में जवाब दिया। स्वामी विवेकानंद की इस बात को सुनकर वहां मौजूद सारे विदेशी हैरान रह गए और तभी से हिंदी भाषा को पूरे विश्व में सम्मान मिलने लगा। इस किस्से से स्वामी विवेकानंद का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्यार और आदर झलकता है।

सीख: हमेशा अपनी राष्ट्र भाषा को सम्मान देना और उस पर गर्व महसूस करना चाहिए। साथ ही अन्य भाषाओं का भी इतना ज्ञान होना जरूरी है कि हम सामने वाले की बात को समझ सकें।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष



दफ्तर में कार्य समय पर पूरे होंगे, बॉस प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में दीर्घकालिक योजनाओं पर काम शुरू होगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा, परिवार का साथ मिलेगा।

वृषभ



दफ्तर में सजग रहें, गोपनीय बातें किसी से शेयर न करें। व्यापारिक सौदों में जल्दबाजी में निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से संवाद में सौम्यता बनाए रखें।

मिथुन



कार्यस्थल पर आपकी प्रतिभा से सभी प्रभावित होंगे। व्यापारिक साझेदारी में लाभ के स्पष्ट योग हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता और खुशहाली बनी रहेगी।

कर्क



विरोधी आपके खिलाफ सक्रिय हो सकते हैं, सावधान रहें। व्यापार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। विवादों से दूर रहें, परिजनों से तालमेल रखें।

सिंह



रचनात्मक कार्यों में बड़ी सफलता मिलने के योग हैं। व्यवसाय में नया निवेश भविष्य में बड़ा फायदा देगा। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी, मधुरता बढ़ेगी।

कन्या



दफ्तर में माहौल शांतिपूर्ण रहेगा, काम आसान होगा। भूमि या वाहन से जुड़े व्यापार में लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में सौहार्द और खुशहाली रहेगी।

तुला



कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव और मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक और फलदायी सिद्ध होगी। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा, संबंध मधुर होंगे।

वृश्चिक



दफ्तर में आपकी सलाह से काम में प्रगति होगी। व्यापार में धन लाभ के योग हैं, बिक्री बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा खुशनुमा माहौल रहेगा। ताजगी बनी रहेगी।

धनु



नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो तरक्की लाएंगी। व्यापार में बड़ा मुनाफा हो सकता है, विस्तार होगा। समाज और परिवार में मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर



दफ्तर में कार्यों को समय पर पूरा करने का दबाव रहेगा। व्यापारिक लेन-देन में बेहद सतर्कता बरतें। पारिवारिक मामलों में संयम और धैर्य से काम लें।

कुम्भ



सहकर्मियों के सहयोग से बड़ा कार्य सिद्ध होगा। व्यापार में नए सौदों से मनचाहा लाभ मिलेगा। मित्रों के साथ सुखद पल बिताने का मौका मिलेगा। मन में प्रसन्नता रहेगी।

मीन



अधिकारियों से सराहना मिलेगी, पदोन्नति का योग है। व्यापारिक गतिविधियों में बड़ा आर्थिक लाभ संभव है। पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण और आनंददायक रहेगा।

तब्बू ने 40 साल पहले की थी सिनेमा की दुनिया में एंट्री

जन्मदिन पर विशेष: रोमांस से लेकर कॉमेडी-एक्शन तक निभाए दमदार किरदार

अभिनेत्री तब्बू का आज जन्मदिन है। वे 55 वर्ष की हो गई हैं। सिनेमा की दुनिया में उनकी एंट्री 40 साल पहले हुई थी। इसका श्रेय देव आनंद को जाता है और उन्होंने ही अभिनेत्री को तब्बू नाम दिया। 1985 में देव आनंद की फिल्म हम नौजवान से तब्बू ने सिनेमा में पहला कदम रखा। तब वे 14 वर्ष की थीं। फिर कुछ वर्षों के अंतराल के बाद 1991 में साउथ फिल्मों में काम किया। इसके बाद साल 1994 में विजयपथ से उन्होंने हिंदी सिनेमा में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर डेब्यू किया। इसमें उनके साथ अजय देवगन थे। तब से आज तक दो चीजें साथ चली आ रही हैं। अजय देवगन के साथ उनकी जबर्दस्त बॉन्डिंग, जो पर्दे पर भी जमती है। दूसरा, तब्बू के अभिनय का जादू। तब्बू का असली नाम तबस्सुम फातिमा हाशमी है। उनका जन्म 04 नवंबर 1971 को हैदराबाद में हुआ था। तब्बू का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ। उनके पिता जमाल हाशमी और मां रिजवाना का तलाक हो गया था, इसलिए उन्हें अपनी मां और नाना-नानी ने पाला। उनकी बड़ी बहन फराह नाज भी अभिनेत्री हैं। शबाना आजमी, तब्बू की मौसी हैं। बचपन से ही तब्बू का झुकाव फिल्मों की तरफ रहा। वे किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि ऐसा लगता है कि उन्हें जीती हैं। रोमांटिक रोल हो, कॉमेडी या फिर कोई गंभीर भूमिका...तब्बू उसमें ढल जाती हैं। तब्बू ने जब 14 की उम्र में हम नौजवान में काम किया, तभी यह जता दिया कि वह लंबी पारी खेलेंगी। इतनी छोटी-सी उम्र में उन्होंने फिल्म में एक दुष्कर्म पीड़िता का किरदार निभाया। इस किरदार से तब्बू ने दर्शकों को अंदर तक झकझोर दिया और अपना मुरीद बना लिया। बतौर लीड एक्ट्रेस उनकी शुरुआत 1991 में तेलुगु फिल्म कुली नंबर 1 से हुई। यह सुपरहिट रही। 1994 में वो विजयपथ फिल्म में आईं। इसमें अजय देवगन के साथ काम किया। हिंदी सिनेमा में डेब्यू के साथ ही तब्बू ने बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड अपने नाम कर लिया। 1990 के दशक में तब्बू के करियर की बात करें तो वह रोमांटिक फिल्मों का दौर था। पर्दे पर रोमांस करती और हीरो के साथ डांस करती हीरोइन के रूप में तब्बू ने खूब धमाका किया। 90 के दशक में तब्बू को शुरुआत में पारंपरिक कमर्शियल रोल मिले। इनमें उन्हें गानों में डांस करना और हीरो के साथ रोमांस करना होता था।



अमृता अरोड़ा का ओजेम्पिक लेने से इनकार

वजन कम करने पर दो टूक जवाब- लोगों को जो कहना है, कहने दो

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता अरोड़ा लड़क इन दिनों अपने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर चर्चा में हैं। 45 साल की एक्ट्रेस ने पिछले कुछ महीनों में करीब 14 किलो वजन कम किया है। उनके जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के बाद सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने वजन घटाने वाली दवाओं ओजेम्पिक और माउंजारो का इस्तेमाल किया है। अब एक्ट्रेस ने इन अटकलों पर चुप्पी तोड़ते हुए जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि लोग जो कहना चाहते हैं, उन्हें कहने दो, क्योंकि वे तो कुछ न कुछ कहेंगे ही। अमृता ने अपने इस बदलाव के पीछे की वजह और पिछले कुछ सालों में अपने फिटनेस सफर के बारे में भी खुलकर बात की है। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस बदलाव की तस्वीर शेयर करते हुए इसे एक शब्द में रिडेम्पशन यानी खुद को फिर से पाना बताया। हालांकि, अमृता के लिए यह बदलाव सिर्फ वजन कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके इमोशनल और फिजिकल सफर का भी हिस्सा है। उनका कहना है कि इस बदलाव के बाद वह खुद को पहले से ज्यादा खुश और बेहतर महसूस कर रही हैं। अमृता अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर अपने ट्रांसफॉर्मेशन की तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनका बदला हुआ लुक देखने को मिला। हालांकि, गोलमाल रिटर्न्स और कम्बख्त इश्क जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस का कहना है कि उनके लिए यह बदलाव सिर्फ शारीरिक नहीं है। उन्होंने बताया कि इस सफर ने उन्हें भावनात्मक रूप से भी काफी मजबूत बनाया है। अमृता ने कहा, यह मेरे उस भावनात्मक और शारीरिक सफर के बारे में है, जिससे गुजरकर मैं आज उस मुकाम पर पहुंची हूं, जहां मैं बहुत खुश हूं। मैंने खुद को वापस उसी रूप में पा लिया है, जैसा मैं रहना चाहती थी। वजन घटाने वाली दवाओं को लेकर हो रही चर्चाओं पर अमृता ने साफ किया कि उन्हें लोगों की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। उनका मानना है कि लोग हमेशा कुछ न कुछ कहते रहेंगे, इसलिए उन्हें इन बातों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। इस बारे में उन्होंने कहा, लोग जो कहना चाहते हैं, उन्हें कहने दो, क्योंकि वे तो कुछ न कुछ कहेंगे ही। सब ठीक है।



कनिका कपूर की 4 साल बाद टूटी दूसरी शादी

» बताई पति गौतम हथीरमानी से अलग होने की वजह

बॉलीवुड की मशहूर प्लेबैक सिंगर कनिका कपूर इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल, हाल ही में उन्होने बिजनेसमैन गौतम हथीरमानी से अलग होने का ऐलान कर दिया है। दोनों ने साल 2022 में लंदन में शादी की थी। कनिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपने अलग होने की जानकारी दी और इस मुश्किल समय में प्राइवेसी बनाए रखने की अपील की। उनके इस ऐलान के बाद से ही दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। इससे पहले कनिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शादी की तस्वीरें भी हटा दी थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कनिका ने अपनी शादी टूटने की वजह को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने साफ किया कि उनके और गौतम के अलग होने की वजह कोई तीसरा शख्स नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने उन खबरों को भी गलत बताया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि वह गौतम के साथ लागोस में नहीं रहना चाहती थीं। कनिका ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, काफी सोच-विचार के बाद मैंने और मेरे पति ने अलग-अलग रास्तों पर चलने का फैसला किया है। हमने साथ में जो समय बिताया, उसके लिए मैं आभारी हूं और उनके अच्छे भविष्य की कामना करती हूं। मैं सभी से अपील करती हूं कि इस मुश्किल वक्त में हमारी प्राइवेसी का सम्मान करें और हमारे प्रति संवेदनशील रहें। वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम के दोस्तों का कहना है कि वह इस अलगाव से काफी दुखी हैं। उनके दोस्तों ने बताया कि गौतम को शुरुआत से ही पता था कि कनिका एक आजाद ख्यालों वाली महिला हैं और काम के सिलसिले में अक्सर दुनिया भर में सफर करती रहती हैं। कई बार वह एक ही हफ्ते में सेंट ट्रोपेज, लंदन और मुंबई के बीच यात्रा करती थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, कनिका का सिंगिंग करियर और लगातार ट्रैवल करना, जबकि गौतम का काम की वजह से लागोस में रहना, दोनों के बीच दूरियों और उम्मीदों में अंतर की वजह बना। हालांकि, कनिका ने इस बात को अलग होने की वजह मानने से इनकार किया है।



लोगों की बातों से परेशान नहीं होना चाहिए : रणबीर

4000 करोड़ी फिल्म को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर दिया करारा जवाब

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म रामायण इन दिनों काफी चर्चा में है। यह साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है, जो दो दिन बाद रिलीज होने वाली है। हालांकि, फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही इसके म्यूजिक और वीएफएक्स को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। रणबीर कपूर ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। साथ ही उन्होंने बताया कि वह ऑनलाइन ट्रोलिंग को ज्यादा तवज्जो क्यों नहीं देते। रणबीर ने कहा, आज के समय में ऑनलाइन ट्रोलिंग की अपनी एक अलग ही दुनिया है। यह पुराने गाने कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना की याद दिलाती है। मुझे लगता है कि जिंदगी में इस सोच को अपनाना चाहिए। लोगों की बातों से परेशान नहीं होना चाहिए। मायने यह रखता है कि वे लोग क्या सोचते हैं, जो आपके काम की परवाह करते हैं, आपकी मेहनत, इरादे और अच्छाई को समझते हैं। मेरे लिए सबसे ज्यादा यही चीजें मायने रखती हैं। फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी ने भी रामायण को लेकर हो रही आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि फिल्म की पूरी टीम ने अपना सौ प्रतिशत दिया है। नितेश के मुताबिक, अगर आपका जमीर साफ है और आपने अपनी तरफ से पूरी मेहनत की है, तो फिर आपको और क्या चाहिए? इससे पहले यश भी फिल्म के वीएफएक्स को लेकर हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रख चुके हैं। अक्टूबर में हैदराबाद में हुए एक बड़े इवेंट के दौरान उन्होंने फैंस से फिल्म को खुले मन से देखने और वीएफएक्स में छोटी-छोटी कमियां निकालने से बचने की अपील की थी। यश ने फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए अपना पैसा और प्रतिष्ठा दांव पर लगाई है। नमित मल्होत्रा DNEG के ग्लोबल सीईओ भी हैं।



बिग बॉस 20 में फूट-फूटकर रोती दिखीं माही विज

मेकर्स के दिखाए जा रहे नरेटिव पर उठाए सवाल, बोलीं- मैं शो नहीं करूंगी

माही विज ने बिग बॉस 20 में उन्हें जिस तरह से दिखाया जा रहा है। उस पर सवाल उठाते हुए कहा, मुझे पैसे भी नहीं चाहिए। बाद में वह फूट-फूटकर रो पड़ीं और बिग बॉस से पूछा, आप हर बात के लिए मुझे ही क्यों निशाना बना रहे हैं? बिग बॉस 20 के लेटेस्ट प्रोमो में माही विज को रोते हुए देखा जा सकता है। शो में उन्हें लेकर जो नरेटिव दिखाया जा रहा है। उस पर सवाल उठाते हुए वह काफी भावुक हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें बेवजह निशाना बनाया जा रहा है। इस बात पर अपनी नाराजगी जताते हुए वह शो छोड़ने की धमकी भी देती हैं और कहती हैं कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह शो में आगे नहीं रहना चाहतीं। लव गिल की मां ने माही विज पर गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद माही फूट-फूटकर रोने लगी और दोनों की हालत देख घरवालों की चिंता बढ़ जाती है। इस पहले माही विज ने अमन गांधी को नामर्द और स्पिनेलस कहा था। इस बात को लेकर घर में जमकर हंगामा भी हुआ था। प्रोमो की शुरुआत में घर के अंदर लव गिल की मां का एक संदेश बजता है। पंजाबी में बात करते हुए, वह माही से कहती हैं कि उन्हें कुछ भी बोलने से पहले सोचना चाहिए था, क्योंकि वह माही की उम्र की ही हैं। हालांकि, माही को संदेश का बाकी हिस्सा समझ नहीं आया और वह लव से पूछती हैं कि उनकी मां ने क्या कहा। लव जवाब देती हैं, उन्होंने कहा कि अगर स्काउट न होता तो मैं इसे नंगा कर देती। वहीं, माही का दावा है कि उनकी मां ने ऐसा कोई शब्द इस्तेमाल नहीं किया था। बाद में माही भावुक हो जाती हैं और कहती हैं, मुझे ऐसा लग रहा है कि शो में सिर्फ मुझे ही दिखाया जा रहा है। अगर यही हाल रहा तो मैं शो में आगे नहीं रहूंगी। मुझे पैसे भी नहीं चाहिए। आंखों में आंसू लिए वह बातचीत के बीच से ही उठकर चली जाती हैं। इसके बाद एक्ट्रेस को वॉशरूम में जाते हुए देखा जाता है।



महाराष्ट्र में गोकुल डेयरी चुनाव पर सियासी बवाल

राहुल गांधी ने एनडीए सरकार पर उठाए सवाल

» कांग्रेस व एनसीपी-एसपी ने भाजपा को घेरा

» पवार ने सरकार पर लगाया जनादेश की अनदेखी करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में गोकुल डेयरी चुनाव को सियासत गरमा गई है। कांग्रेस, एनसीपी शरदपवार से लेकर पूरा विपक्ष भाजपा सरकार पर हमलावर है। राकांपा (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने कोल्हापुर की गोकुल डेयरी के अध्यक्ष पद के चुनाव के दिन लोगों से वहां जुटने का आह्वान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा बोर्ड में नामित सदस्यों की नियुक्ति करना 5.5 लाख मतदाताओं के फैसले की अनदेखी करने जैसा है। वहीं नेता प्रतिपक्ष लोस राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर एनडीए सरकार को घेरा है। गोकुल डेयरी के अध्यक्ष पद के लिए मतदान 10 नवंबर को प्रस्तावित है।

महाराष्ट्र कैबिनेट ने बुधवार को उन सहकारी संस्थाओं की प्रबंध समितियों में सरकार द्वारा नामित पांच सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी, जिनका सालाना टर्नओवर 500 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें जिला केंद्रीय सहकारी बैंक शामिल नहीं हैं। इनमें से चार सदस्यों को निदेशक मंडल में मतदान का अधिकार होगा। कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ को 'गोकुल डेयरी' के नाम से जाना जाता है। डेयरी के हालिया चुनावों में कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सतेज पाटिल समर्थित 'राजर्षि शाहू शेतकरी समाविचारी आघाडी' ने 25 में से 13 सीट पर जीत दर्ज की।



जनता के जनादेश को ताकत दिखाया जा रहा है : रोहित

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने बृहस्पतिवार को "लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों" से अपील की कि वे कोल्हापुर की गोकुल डेयरी के अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान वहां घेराव करें। पवार ने यह अपील डेयरी के अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान निदेशक मंडल में सरकार द्वारा नामित सदस्यों की नियुक्ति को लेकर लिए की है। पवार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आरोप लगाया कि सरकार की ओर से नामित सदस्यों की नियुक्ति का कदम गोकुल डेयरी पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश है जबकि कांग्रेस नेता के समर्थन वाले पैनल को 5.5 लाख मतदाताओं का समर्थन मिला था। इस सहकारी संस्था के अध्यक्ष पद का चुनाव 10 नवंबर को होना है।



जारी विवाद के बीच जनता के जनादेश की ताकत दिखाने के

बहुमत बदलने के लिए भाजपा नियमों से कर रही खिलवाड़ : राहुल

राहुल ने महाराष्ट्र के गोकुल दूध महासंघ के चुनाव में निर्वाचित बोर्ड के बहुमत को कथित तौर पर प्रभावित करने की कोशिश को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा इतनी हताश हो चुकी है कि हर जगह सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है। राहुल गांधी ने कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा की एक पोस्ट को 'एक्स' पर रिपोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव के बाद नियम बदलकर दुग्ध उत्पादकों के जनादेश में मिलावट करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, तो भाजपा ने चुनाव के बाद नियम बदल दिए, चार निदेशक थोपो, 12 को 16 बनाओ और बहुमत चुरा लो। यह दूध उत्पादकों के वोट की चोरी है- जनादेश में मिलावट। राहुल ने कहा, भाजपा इतनी हताश हो चुकी है कि हर जगह सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है। दूध उत्पादकों का वोट चुराने वाले याद रखें, किसान भूलता नहीं।" इससे पहले, पवन खेड़ा ने बुधवार को आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र सरकार गोकुल दूध महासंघ के निर्वाचित बोर्ड की संरचना में बदलाव करने के लिए विधायी संशोधनों का सहारा लेकर दूध उत्पादकों के लोकतांत्रिक जनादेश को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। खेड़ा के अनुसार, 19 अक्टूबर को हुए चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले पैनल ने 25 में से 13 सीटें जीतकर महायुति समर्थित पैनल की 12 सीटों के मुकाबले बहुमत हासिल किया था।

असहमति दबाने के लिए चुनिंदा कार्रवाई कर रहा प्रशासन : वांगचुक

» सामाजिक कार्यकर्ता ने नोटिस पर दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लद्दाख प्रशासन पर सवाल उठाने वाले संस्थानों और लोगों को चुन-चुनकर निशाना बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने एचआईएएल के डेजर्ट फ्लावर स्कूल को मिले नोटिस की आलोचना करते हुए कहा कि प्रशासन शिक्षा पर रोक लगा रहा है और शराब को बढ़ावा दे रहा है। वांगचुक ने लद्दाख प्रशासन की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह उसके फैसलों पर सवाल उठाने वाले संस्थानों और व्यक्तियों के खिलाफ 'विच हंट' की नीति अपना रहा है।



वांगचुक ने आरोप लगाया कि हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स, लद्दाख और उसके स्कूल के खिलाफ कार्रवाई क्षेत्र में असहमति की आवाज को दबाने की कोशिश का हिस्सा है। वांगचुक ने फ्यांग स्थित 'डेजर्ट फ्लावर स्कूल' से जुड़ी गतिविधियों को रोकने के लिए एचआईएएल को एक नवंबर को जारी नोटिस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने केंद्रशासित प्रदेश में शैक्षणिक संस्थानों पर कथित तौर पर लगाई गई पाबंदियों और शराब प्रतिष्ठानों के लिए नियमों में दी गई ढील के बीच विरोधाभास को रेखांकित करते हुए प्रशासन की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शिक्षा रोक दो, बच्चों को शिक्षित होने से रोको, स्कूलों को बंद रखो लेकिन शराब को और अधिक सुलभ बना दो और पूरे इलाके को शराब की लत की ओर धकेल दो। हमें तो ये नीतियां कुछ ऐसी ही लगती हैं। इस दौरान उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो भी मौजूद थीं, जो एचआईएएल की सह-संस्थापक और सीईओ हैं। लद्दाख प्रशासन ने हाल ही में वांगचुक द्वारा स्थापित एचआईएएल को निर्देश दिया है कि वह अपने 'डेजर्ट फ्लावर स्कूल' के संचालन से जुड़ी कोई भी नयी गतिविधि तब तक शुरू न करे, जब तक जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय इस मामले में अंतिम फैसला नहीं सुना देता।

भारत ने जीत के साथ की वनडे सीरीज की शुरुआत

» कोहली का अर्धशतक और अर्शदीप के चार विकेट की बदौलत पांच विकेट से न्यूजीलैंड को हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऑकलैंड। भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। भारत को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया ने यह लक्ष्य 22.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पारी 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई। स्कोर और भी कम होता, लेकिन आखिरी में ब्लेयर टिकनर की तूफानी पारी ने कीवियों को 180 के पार पहुंचाया। जवाब में भारत की शुरुआत भी खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। फिर शुभमन गिल और विराट कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी हुई।

गिल 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कोहली ने वनडे करियर का 80वां अर्धशतक लगाया। वह 51 गेंद में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 74 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कोहली के आउट होते ही दो और विकेट गिरे। अक्षर खाता खोले बिना पवेलियन लौटे, जबकि श्रेयस 15 रन बना सके। केएल राहुल तीन रन और नमन धीर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 12 रन पूरे करते ही वनडे क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 13 हजार रन पूरे कर लिए। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम साइफर्ट 38 रन, डेरिल मिचेल 28 रन और ग्लेन फिलिप्स 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा टिकनर और डफी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। न्यूजीलैंड का स्कोर एक वक्त नौ विकेट पर 146 रन था। इसके बाद टिकनर ने जैकब डफी के साथ 10वें विकेट के लिए 31 गेंद में 39 रन की साझेदारी निभाई।



आईसीसी रैंकिंग: टेस्ट गेंदबाजों में फिर नंबर एक बने स्टार्क

दुबई। आईसीसी की जारी पुरुषों की ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के गेंदबाज मार्को यानसेन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज का ताज एक बार फिर अपने नाम कर लिया है। इससे पहले अगस्त में स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर पहली बार यह मुकाम हासिल किया था, लेकिन यानसेन ने उनसे यह ताज छीन लिया था। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में श्रेयस अय्यर दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने भी बल्लेबाजों की सूची में लंबी छलांग लगाई है, जबकि उनके साथी मिचेल सैंटनर और जैकब डफी ने टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर की है।

भाजपा पार्षद की गुंडई, महिला से की अभद्रता

» विरोध करने पर पति की डंडे व चाबुक से पिटाई, केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मड़ियांव थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-4 दाउद नगर के पार्षद रामूदास कनौजिया पर गंभीर आरोप लगे हैं। आय प्रमाण पत्र बनवाने पहुंची महिला ने पार्षद पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और धक्का देने का आरोप लगाया। विरोध करने पर महिला के पति को पार्षद के भाई और दो अज्ञात लोगों द्वारा डंडे और चाबुक से पीटने का आरोप पीड़िता की तहरीर पर मड़ियांव पुलिस ने पार्षद समेत चार लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 351 और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पीड़िता गीता बाजपेई के मुताबिक, 4 नवंबर को दोपहर करीब एक बजे वह अपने पति के साथ आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पार्षद रामूदास कनौजिया के कार्यालय पहुंची थीं। आरोप है कि आधार कार्ड पर दर्ज पते को लेकर पार्षद ने आय प्रमाण पत्र बनाने से इनकार कर दिया। इस पर महिला ने वजह पूछी तो कथित तौर पर पार्षद ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए धक्का-मुक्की शुरू कर दी। पुलिस की दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि पत्नी के साथ हो रहे अभद्रता का विरोध करने पर पार्षद के भाई और दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने महिला के पति को पकड़ लिया और डंडे व चाबुक से पीटने लगे। आरोपियों ने चाबूक से हमला कर जान से मारने का प्रयास भी किया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि शिकायत करने पर पूरे परिवार को घर में घुसकर जान से मारने की धमकी दी गई।

न सफाई की फिक्र, न जनता की परवाह!

» अलीगंज में कूड़ा उठान ठप निजी कंपनी पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त के सख्त निर्देशों के बावजूद जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आ रही है। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए थे कि सारे काम छोड़कर सिर्फ सफाई व्यवस्था पर ध्यान दें। सभी अपर नगर आयुक्त मुख्यालय में बैठने के बजाय फील्ड में उतरें और अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई सुनिश्चित कराएं। सड़कों पर कहीं भी कूड़ा दिखाई नहीं देना चाहिए। इसके बावजूद अलीगंज जोन-3 में सड़क पर पड़ा कूड़ा व्यवस्था की पोल खोल रहा है। यहां कूड़ा उठाने के बजाय सफाई के नाम पर महज खानापूर्ति की गई और कूड़ा सड़क पर ही पड़ा रहा। कूड़ा न उठने से आसपास के इलाकों में गंदगी के साथ दुर्गंध और बदबू का माहौल बना हुआ है।





आम जनता को इसी गंदगी के बीच से गुजरने को मजबूर होना पड़ रहा है। कूड़े के ढेर पर छुट्टा जानवर भी खाने की तलाश में मंडराते रहते हैं। ऐसे में बेजुबान जानवरों की जान पर भी खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में कोई गाय सड़ा हुआ कचरा या प्लास्टिक की पन्नी खा ले और उसकी तबीयत बिगड़ जाए और उसकी मौत हो जाए तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? कूड़ा उठान में लापरवाही का शिकार जनता के साथ बेजुबान जानवर भी हो सकते हैं। शहर की सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी लखनऊ स्वच्छता अभियान के तहत निजी कंपनी को सौंपी गई है। इसके बावजूद कूड़ा उठान की स्थिति में सुधार नहीं दिख रहा है। सवाल यह है कि आखिर कंपनी अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा रही है? कूड़ा नहीं उठने पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई तो की जा सकती है, लेकिन इससे जनता को गंदगी और बदबू से राहत कैसे मिलेगी?

पीएम संग बहस की चुनौती पर रार

» गृहमंत्री व नेता प्रतिपक्ष में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संगरूर/नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इसको लेकर सियासी तनाव बढ़ गया है। भाजपा ने कांग्रेस को इसको लेकर आड़े हाथों लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने संसद में हंगामा करने को ''कांग्रेस की कार्यशैली'' बना दिया। वहीं नेता प्रतिपक्ष ने क हा कि यदि मोदी उनके साथ बहस करते हैं तो वह पांच मिनट में साबित कर देंगे कि प्रधानमंत्री देशद्रोही हैं और वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इशारे पर काम करते हैं।

गांधी ने संगरूर में कांग्रेस की 'इंसाफ रैली' को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री चाहे तो बहस के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत या फिर उद्योगपति गौतम अदाणी को जज बना सकते हैं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस नेताओं को देशद्रोही कहते हैं। मैंने उन्हें सीधी चुनौती दी कि आप मेरे साथ बहस करिये। जिसको आप जज बनाना चाहते हैं, बना दीजिए। मोहन भागवत को जज बना दीजिए, अदाणी को बनाना है तो उन्हें जज बना दीजिए।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के करनाल में आयोजित पदयात्रा के बाद विपक्ष पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है। साथ ही उन्होंने मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटाने को भाजपा का संकल्प बताया।

कांग्रेस व भाजपा आई आमने-सामने

मैं गारंटी देता हूं, मोदी मेरे सामने आकर बैठ नहीं सकते : राहुल



कोई फर्क नहीं पड़ता। आप बस मेरे सामने आकर बैठ जाइए।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का कहना था, मैं देश को गारंटी देता हूं कि नरेन्द्र मोदी मेरे सामने आकर बैठ नहीं सकते। उनके सारे नेता कह रहे हैं कि संसद में चर्चा करिये, लेकिन संसद में आप लोग मेरा माइक बंद कर देते हैं और मुझे बोलने नहीं देते हैं। उन्होंने दावा किया, नरेन्द्र मोदी को मेरे सामने बैठने के लिए कहिए। मैं आपको गारंटी देता हूं कि पांच मिनट में साबित कर दूंगा कि मोदी देशद्रोही हैं और मोदी को डोनाल्ड ट्रंप नियंत्रित करते हैं।



संसद में हंगामा करने को कांग्रेस की कार्यशैली बनाया : अमित शाह

शाह ने हरियाणा के करनाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दोहराया कि केंद्र सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी ने संसद में हंगामा करने को कांग्रेस की कार्यशैली बना दिया है। हम एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार हैं।'' उन्होंने कहा कि घुसपैठियों की पहचान कर मतदाता सूची से उनके नाम हटाना भाजपा का संकल्प है। शाह ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) पर निशाना साधते हुए कहा, ''इसकी रैली का मकसद मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना है।'' उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का ब्योरा मांगते हुए कहा, ''आप लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं, लोगों को यह जानने का अधिकार है।'' इससे पहले, शाह नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। पार्टी सूत्रों ने बताया कि यह पदयात्रा सेक्टर 12 से शुरू हुई और इसका समापन दयानंद चौक पर हुआ जहां अमित शाह और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता एक जनसभा को संबोधित किया।

सपा नेता आजम खा को सुप्रीम कोर्ट से झटका

» ईडी द्वारा दर्ज धनशोधन के एक नए मामले में सुनवाई करने से इनकार

» केस को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में किया स्थानांतरित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। पांच नवंबर उच्चतम न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन के एक नए मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की जमानत याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने खान की याचिका को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया और मुख्य न्यायाधीश से 16 नवंबर को एक खंडपीठ के समक्ष इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया।



शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से 16 नवंबर को ही खान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने को भी कहा। खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दुर्भावनावश ईडी की कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब उन्हें रिहा किया जाने वाला था, तभी गिरफ्तार कर लिया गया। सिब्बल ने कहा, ''वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि मैं (आजम खान) चुनाव के दौरान जेल में रहूं।'' खान के वकील ने बताया था कि 78 वर्षीय सपा नेता को जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले के सिलसिले में एक नवंबर को गाजियाबाद की विशेष अदालत में पेश किया गया था। कथित दोहरे पैन कार्ड मामले में रामपुर जेल से जमानत पर रिहा होने के तुरंत बाद ईडी ने 31 अक्टूबर को धनशोधन के इस मामले में आजम खान को गिरफ्तार कर लिया था।

धीरेंद्र को तो चौराहे पर लाकर ठोकना चाहिए : वडेट्टीवार

» कांग्रेस नेता बोले- ये सरकारें धर्म की बात करती हैं पर अभी चुप हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भगवान राम और भगवान कृष्ण को लेकर दिए बयान पर भले ही बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांग ली हो लेकिन सियासी पारा हाई है। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने तो यहां तक कह दिया कि उसको तो चौराहे पर लाकर ठोकना चाहिए। ऐसी बातें कहने का अधिकार उसको किसने दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा, ये सरकारें धर्म की बात करती है और भगवान के प्रति आस्था बताते हैं। अब किस बिल में छुपे हो भाई? वो धीरेंद्र कृष्ण के बारे में जिस तरह से बात किया, भगवान राम के बारे में जिस तरह से बात किया, भगवान राम के पांच बाप थे करके बात किया। उसको तो चौराहे पर लाकर ठोकना चाहिए।



उसको हमारी आस्था और भक्ति के साथ खिलवाड़ करने का अधिकार किसने दिया। विजय वडेट्टीवार ने आगे कहा, उसने हमारा भगवान ऐसा है, कृष्ण दूसरे का भगवान है, ऐसे बोला। भगवान को भी बांटने का काम चालू किया। उनका अपमान करने का काम चालू किया। हम कहते हैं धीरेंद्र जिस तरह से भगवान का अपमान कर रहा है, उसके कोई भी प्रवचन को सरकार को परमिशन नहीं देना चाहिए। उसके प्रवचन पर रोक लगाना चाहिए और पूरे हिंदू धर्म से माफी मांगनी चाहिए।

आरोपी को हिरासत में लेते ही शुरू होगी 24 घंटे की समयसीमा

» जज के सामने आरोपी को पेश करने का वक्त को गिरफ्तारी नहीं मानी जाएगी : सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी की 24 घंटे समयसीमा पर बड़ा आदेश दिया है. कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि आरोपी को 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की समयसीमा हिरासत में लेने के समय से ही शुरू होगी। 24 घंटे में जज के सामने आरोपी को पेश करने का वक्त उसकी आधिकारिक गिरफ्तारी ने नहीं माना जाएग।

इसके लिए उसे हिरासत में लेने का वक्त ही माना जाएगा।शीर्ष अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी और हिरासत को अलग-अलग मानकर नहीं देखा जा सकता है। दोनों ही परिस्थितियों में व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कई हाईकोर्ट के दृष्टिकोण की आलोचना की। उन्होंने गिरफ्तारी और हिरासत के बीच कृत्रिम अंतर पैदा किया है। किसी व्यक्ति को वास्तव में कब हिरासत में लिया गया, यह महत्वपूर्ण है न कि पुलिस ने गिफ्तारी की औपचारिक कार्रवाई कब पूरी की, पीठ ने कहा कि आरोपी को 24 घंटे के भीतर न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की संवैधानिक समयसीमा उस समये से शुरू होगी जब पुलिस ने उसे वास्तव में हिरासत में लिया हो।



यूजीसी नियमों के खिलाफ याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि नियमों पर नए सिरे से विचार किया जा रहा है। एक कमिटी का भी गठन किया जा सकता है। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिकाओं पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी। यह मामला अबेदा सलीम तडवी बनाम भारत संघ और इससे जुड़े अन्य मामलों से संबंधित है। 2019 में यह याचिका रोहित वेमुला और पायल तडवी की माताओं ने दायर की थी। इन दोनों छात्रों ने कैंपस में कथित तौर पर जातिगत भेदभाव का सामना करने के बाद आत्महत्या कर ली थी। याचिका में उच्च शिक्षा संस्थानों में इस तरह के भेदभाव के खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपायों की मांग की गई थी।

सीजेपी नेता रांका व दास पुलिस के दफ्तर पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका गुरुवार को राजौरी गार्डन स्थित दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के दफ्तर पहुंचे। उन्हें अक्टूबर में जंतर-मंतर (जिसे अब प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया है) पर हुए विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर, जहां से विरोध प्रदर्शन हटा लिया गया था, वहां पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद इन दो नेताओं को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

पुलिस के अनुसार, ऐसा करके उन्होंने 11 अक्टूबर को हस्ताक्षरित शांति बांड (पीस बॉन्ड) का भी उल्लंघन किया था। 21 अक्टूबर को, 50,000-50,000 रुपये के निजी और ज़मानती बॉन्ड भरने के बाद उन्हें तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। बाद में सीजेपी नेताओं के खिलाफ दर्ज मामले क्राइम ब्रांच को सौंप दिए गए। क्राइम ब्रांच ने दास और रंका को अक्टूबर के अंत से पहले पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने और समय की मांग की।



विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में पूछताछ के लिए बुलाया गया

ये मामले 14 अक्टूबर की एक घटना से जुड़े हैं, जिसमें दास, रंका और अजिंक्य शिंदे समेत 11 अन्य लोगों ने कथित तौर पर जंतर-मंतर में प्रवेश किया था। जंतर-मंतर को अब विरोध-प्रदर्शन के लिए निर्धारित जगह के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया है। यह समूह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा था और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे भी लगाए। इन सभी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया था।

जंतर-मंतर हिंसा मामले में पूर्व जज की कमेटी करेगी जांच

दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा के आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश दिए हैं। शीर्ष अदालत ने मामले से जुड़ी याचिकाएं, वीडियो और शिकायतें पूर्व न्यायाधीश आर सुब्बाश रेड्डी की अध्यक्षता वाली हाई पावर कमेटी को सौंपने का निर्देश दिया है। अदालत ने कमेटी से नियमित अंतराल पर अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश करने को भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल पर्याप्त सामग्री उपलब्ध नहीं होने के कारण हाई पावर इंक्वायरी कमेटी जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं निकाल सकी है। जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा से संबंधित मामले की जांच अब हाई पावर कमेटी करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि इस मामले से जुड़ी ट्रांसफर याचिकाएं, वीडियो फुटेज और शिकायतें कमेटी को उपलब्ध कराई जाएं। इस कमेटी की अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश आर सुब्बाश रेड्डी कर रहे हैं। अदालत का निर्देश है कि कमेटी उपलब्ध सामग्री के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाए।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**